कि उस को लेकर यूनीवर्सिटी के तौर पर चलाया जाय ।

श्री भगवत नारायण भार्गव : क्या सरकार का विचार है कि किसी दूसरी जगह कालेज का यूनीवर्सिटी के रूप में संचालन किया जाय ? यदि नहीं, तो इसका क्या कारण है? क्यों सरकार आयुर्वेद की उच्च कोटि की उन्नति के वास्ते ऐसे स्टेप्स नहीं ले सकती ?

डा० सुशीला नायर : किसी कालेज को लेकर यूनीवर्सिटी बना कर चलाने का विचार नहीं है । उसका कारण यह है कि यूनीवर्सिटी तो मल्टी-डिसिप्लनरी इन्स्टीट्यूशन होती है। एक-एक विषय को लेकर अलग यूनीवर्सिटी नहीं बनाई जाती । न कोई होम्योपैथी की यूनीवर्सिटी है, न कोई एलोपैथी की यूनीवर्सिटी है, न कोई आयुर्वेद की या यूनानी की यूनीवर्सिटी है या चलाने का विचार है ।

श्री राम सहाय : क्या मंत्री महोदय से मैं यह जान सकूंगा कि आयुर्वेद और यूनानी की रिसर्च के बारे में आपका कोई प्रोग्राम है या नहीं ? जाम नगर में जो कार्य चल रहा है, क्या वह आपके लिए संतोषजनक है ?

डा० सुशीला नायर : आयुर्वेद और यूनानी में रिसर्च की बहुत बड़ी योजना है । माननीय सदस्य अगर अलाहिदा से सवाल पूछेंगे तो मैं उसका सारा ब्योरा दे सकती हूं । कई बार मैंने बताया भी है । जहां तक जाम नगर संस्था का ताल्लुक है, कुछ समय पहले, दो या तीन बरस पहले, वह संस्था एक विशेष गवर्निंग बोडी बना कर उस को सौंप दी गई थी और उस के कार्य के बारे में या रिसर्च के बारे में इस समय मेरे पास कोई जानकारी नहीं है ।

SHRI DEOKINANDAN NARAYAN: May I know the number of mixed colleges of Ayurveda and Allopathy that are going on in the country, and is it not a fact that these mixed colleges are attracting more students **than** these Ayurvedic colleges?

डा० सुशीला नायर : श्रीमन् कोई मिक्स्ड कालेज नहीं है, लेकिन ऐसे आयुर्वेदिक के कालेज जरूर चल रहे हैं जिनमें उन्होंने साइंटिफिक विषयों को भी स्थान दिया है । यह बात सही है कि वहां पर अधिक विद्यार्थी जाते हैं बनिस्बत उन संस्थाओं के जहां इस प्रकार के विषय नहीं हैं ।

MACHINES IN GOVERNMENT PRESSES

•426. SHRI JAGAT NARAIN: Will the Minister of WORKS AND HOUSING be pleased to state:

(a) whether it is a fact that a number of machines in all the Government of India Presses are lying idle;

(b) if so(the names of the Presses where the machines are lying idle, the number of such machines and the reasons therefor; and

(c) the number of such machine* which were imported from abroad but operators were not appointed to operate them for a long time?

THE MINISTER OF WORKS AND HOUSING (SHRI MEHR CHAND KHANNA): (a) and (b) The number of - machines in the various Presses is over 650. Of these 29 are not functioning on account of some mechanical defects and want of spare parts/ operators.

(c) Two. In one case, there was not enough work for the machine as the Press had been recently installed. In the case of the other, a qualified man was not available.

श्री जगत नारायण : अभी वजीर साहब ने बताया कि 650 मशीनों में से 29 नाकारा हुई, नहीं चल रही हैं। इन मशीनों के न वर्क करने से सरकार को कितना नुकसान पहुंचा?

श्री मेहर चन्द खन्ना : नुकसान पहुंचने का सवाल पैदा नहीं होता । छापेखानों में साढ़े छः सौ मशीनें हैं । कहीं बिजली फेल हो गई, कहीं सर्विसिंग हुई, तो इसलिए 29 मशीनें सर्विस में नहीं हैं । मोटर गाड़ी भी सड़क पर चलते चलते खड़ी हो जाती है ।

श्री जगत नारायण : कितना नुकसान हुआ है, यह तो आपको पता होगा । कुछ अन्दाजा है, कितना नुकसान हुआ है, कितना काम नहीं हो सका ?

श्री मेहर चन्द खन्ना : कोई मशीन, चाहे इनसानी मशीन हो या लोहे की मशीन, बगैर सर्विस के नहीं चल सकती । उसमें नुकसान का सवाल कहां पैदा होता है ।

श्री जगत नारायण : क्या वजीर साहब बतलायेंगे—जैसा कि उन्होंने कहा कि स्पेयर पार्टस नहीं मिल रहे हैं कुछ मशीनों के—स्पेयर पार्ट को मंगाने के लिए क्या कोशिश की जा रही है ?

श्री मेहर चन्द खन्ना: स्पेयर पार्टस के मुताल्लिक काफी दिक्कत पैदा हो रही है । स्पेयर पार्ट्स बाकी मशीनों के जो इम्पोर्टेड हैं, बाहर से आते हैं उसके लिए फारेन ऐक्सचेंज की काफी दिक्कत है । इसलिए हमने फाइनेंस मिनिस्ट्री को सुझाव दिया है—और मैं बहुत जल्दी फाइनेन्स मिनिस्टर के पास यह चीज ले जाने वाला हूं—कि अगर हमें पब्लिक सेक्टर को चलाना है और प्राइवेट सेक्टर में बाहर काम नहीं देना है तो मुझे कुछ न कुछ फारेन एक्सचेंज देना होगा ।

श्री भगवत नारायण भार्गव : मैं यह जानना चाहता हूं कि ये मशीनें कितने समय से बेकार पड़ी हैं ? आपरेटर के न मिलने की बात मंत्री महोदय ने कही । क्या इसके लिए आपरेटर्स हिन्दुस्तान में इस समय प्राप्त नहीं हैं ?

श्री मेहर चन्द खन्ना : एक मशीन के मुताल्लिक यह कहना कि इतने अरसे से खराब पड़ी है, मुश्किल है । आज मरम्मत हुई कल चल पड़ी । आपरेटर के मुताल्लिक हमने जवाब दिया । यह उस छापेखाने के मुताल्लिक है जो हमने कोयम्बटूर में खोला है । उस छापेखाने में आहिस्ता आहिस्ता भरती हो रही है और टोटल प्रोडक्शन पहुंचने के लिए समय लगेगा । मशीनें तो आनी जरूरी थीं । दूसरे हमने कहा कि क्वालिफाइड आपरेटर नहीं मिलते । एक बाहर की मशीन है, हजारों रुपये की चीज है, हम किसी आदमी के हवाले नहीं कर सकते जो बाकायदा क्वालिफाइड न हो ।

श्री चन्द्र शेखर : क्या मैं वजीर साहब से दरख्वास्त कर सकता हूं कि वह लोक-लेखा समिति, जो पब्लिक एकाउंटस कमेटी है, उसकी रिपोर्ट की ओर गौर करें, जिसमें कहा गया है कि नए कारखानों में ही नहीं, पुराने कारखानों में इतनी ज्यादा मशीनें ऐसी पड़ी हुई हैं जिन पर आपरेटर नियुक्त नहीं हुए और केवल इसलिए नियुक्त नहीं हुए कि वे मशीनें बगैर जरूरत मंगा ली गईं और सही माने में छापेखानों को उनकी जरूरत नहीं थी ? क्या वजीर साहब का ध्यान उस रिपोर्ट की ओर गया है और उस पर उन्होंने कार्रवाई की है कि बिना जरूरत मशीनें क्यों मंगाई गई ?

श्री मेहर चन्द खन्ना : मैं पब्लिक एकाउंटस कमेटी की रिपोर्ट को बहुत गौर से पढ़ता हूं । जो भी उनका ऐतराज होता है मैं उसका जवाब तब तक नहीं जाने देता जब तक मैं खुद नहीं देखता । हमारे छापे-खानों का प्रोडक्शन दिन-ब-दिन बढ़ रहा है और इसके लिए हमें चाहे डबल शिफ्ट करना पड़े, ट्रिपल शिफ्ट करना पड़े, हम करेंगे । लेकिन बाज वक्त बाहर से बहुत दबाव पड़ता है कि बाहर के छापेखानों को काम दिया जाय और घर के छापेखाने नकारा पड़े रहें । मैं इस पालिसी के बिल्कुल विरुद्ध हूं ।

SHRI SANTOKH SINGH: May I know if an attempt has ever been made to get the spare-parts fabricated indigenously in the country itself let alone the machines?

SHRI MEHR CHAND KHANNA: As far as the spare-parts are concerned, if they can be had in India, I would be the last person to go outside spending foreign exchange. That is a matter for the Ministry of Industry to handle. I am not in a position to say to what extent small-scale or big industries are being developed in this regard.

श्री महावीर प्रसाद भार्गव : क्या माननीय मंत्री जी यह बताने की कृपा करेंगे कि क्या उनको विदित है कि कलकत्ते में बेलगछिया नामक स्थान पर लाखों रुपये की छापे की मशीनरी कई सालों से पड़ी हुई है और एक सवाल के जवाब में हमको यह बताया गया कि वह मशीनरी इसलिए इस्तेमाल नहीं हो पाई क्योंकि उसके लिए कोई मकान नहीं बन पाया है ?

श्री मेहर चन्द खन्ना: साहब, मुझे तो अपने छापेखाने के मुताल्लिक ऐसा ख़याल नहीं पड़ता। मेरे कलकत्ते में तीन छापेखाने हैं और तीनों छापेखाने सरकारी मकानों में चल रहे हैं। एक नया छापाखाना और बन रहा है। अगर माननीय सदस्य मुझे उसके मुताल्लिक तफ़सील दे दें और अगर वह मेरा होगा तो मैं जरूर देखूंगा और इसके लिये उन्हें अपना शुक्रिया अदा करूंगा ।

श्री ओम मेहता : माननीय मंत्री जी ने कहा कि उन पर कुछ सोर्सेज का प्रेशर पड़ता है कि जो पब्लिक सेक्टर में छापेखाने हैं उनमें न छपवा कर प्राइवेट सेक्टर में जो हैं उनमें छपवाया जाये, तो मैं पूछना चाहता हूं कि कहां से वह प्रेशर आता है।

श्री मेहर चन्द खन्ना: मैंने जब चार्ज लिया था तब मिनिस्ट्री में एक चीज होती थी और उसको कहते थे आउट साइड प्रिंटिंग और यह काफी जोर से होता था। अब हमारा प्रोडक्शन भी बढ़ा है और हालांकि डिमांड भी काफी बढ़ी है लेकिन आउटसाइड प्रिंटिंग को बहुत कम पर हम ले आये हैं ।

श्री सभापति : वह पूछते हैं कि प्रेशर कहां से आता है ।

श्री मेहर चन्द खन्ना : वह ज्यादा जानते हैं इस चीज को ।

شری جی - ایم میر : ابھی آنریبل چندر شیکھر نے اپنے سوال میں مانیہ منتری جی کی توجہ پبلک اکاؤنٹس کمیٹی کے اس نوٹ کی طرف دلائی جس میں یہ کہا گیا ہے کہ چھاپنے والی مشینیں ضرورت سے زیادہ منگوائی گئی ہیں اور یہی وجہ ہے کہ وہ چھاپہ خانے بے کار پڑے ہوئے ہیں اس کا جواب منسٹر صاحب نے نہیں دیا- میں پوچھنا چاہتا ہوں کہ کیا یہ صحیح ہے کہ چھاپنے والی مشینیں زیادہ تعداد میں منگانے کی وجہ سے وہ بے کار پڑے ہیں -

†[श्री जी० एम० मीर : अभी आनरेबल चन्द्रशेखर ने अपने सवाल में माननीय मंत्री जी की तवज्जो पब्लिक एकाउंटस कमेटी के इस नोट की तरफ दिलाई जिसमें यह कहा गया है कि छापने वाली मशीनें जरूरत से ज्यादा मंगा ली गई हैं और यही वजह है कि वे छापेखाने बेकार पड़े हुए हैं इसका जवाब मिनिस्टर साहब ने नहीं दिया। मैं पूछना चाहता हूं कि क्या यह सही है कि छापने वाली मशीनें ज्यादा तादाद में मंगवा लेने की वजह से वह बेकार पड़ी हैं ?]

श्री मेहर चन्द खन्ना : मैंने यह चीज नहीं देखी, मैं इसको देखने के लिए तैयार हूं, मेरे ख़याल में यह नहीं आया, याद नहीं पड़ता कि कब की बात है। अगर माननीय सदस्य मुझे एक नोट भेज दें या पब्लिक एकाउंट्स कमेटी की रिपोर्ट की डेट वग़ैर

†[ ] English translation.

रें तो मैं उसे देख कर हाउस के सामने आने के लिये फिर तैयार हूं, अगर गल्ती है, तो माफी मांगूगा, जरूर माफी मांगूंगा ।

SHRI ARJUN ARORA: May I know why the Minister is not able to resist the unpatriotic pressure which makes him give work to outside printers at the cost of the capacity in the Government Presses?

SHRI MEHR CHAND KHANNA: There is one difficulty. It is very difficult to define what is quality printing. I say that my quality is very good. We have been publishing the speeches of the late Prime Minister and the present Prime Minister. We have published a' large number of books and We can stand i^n comDetition in the market. But if a particular Ministry or a Minister takes the view that he wants a better type of printing which cannot be done in the Government of India Presses and he wynts to go outside, I am sorry I am helpless in certain cases.

SHRI ARJUN ARORA: May I know the nam? of the Minister who wants outside printing?

MR. CHAIRMAN: No, no. Next question.

REIMBURSEMENT OF TUITION FEES PAID BY GOVERNMENT SERVANTS

*427. SHRI D. THENGARI: Will the Minister of FINANCE be pleased to state.-

(a) whether Government propose to extend the scheme of reimbursement of tuition fees paid by Government Employees for their children in primary classes wherever such education is not free; and

(b) if not, what are the reasons therefor?

THE MINISTER OF PLANNING (SHRI B. R. BHAGAT): (a) and (b) According to the available information primary education is free in Government schools in all States except in municipal areas in West Bengal whera som$_e$ fees are charged. Reimbursement of such fees in that State has been authorised with effect from 1st November, 1965.

***428. *[Th$_e$ questioner (.Shri* Jagan-*nath Prasad) wis absent. For answer,* vide col. 2532 infra.]**

IMPLEMENTATION OF THE RECOMMENDATIONS OF STUDY TEAM ON C.P.W.D.

*429. SHRI V. M. CHORDIA: Will the Minister of WORKS AND HOUSING be pleased to state:

(a) the action taken by the Committee set up by his Ministry on th« 10th August, 1965 to implement the recommendations of the Study Team on the Central P.W.D.;

(b) the total number of Assistant Engineers (Civil, Electrical and Horticultural) working in the Central P.W.D. as on the 31st October, 1962 and 31st October, 1965 and the number of Assistant Engineers dec'ared permanent so far in the grade; and

(c) th$_e$ action taken by his Ministry to implement the recommendations No. 21 and No. 22 of the Study Team?

THE MINISTER OF WORKS AND HOUS^T^NG (SHRI MEHR CHAND KHANNA): (a) The Empowered Committee set up for this purpose have accepted 81 out of 89 recommendations. 3 recommendations have not been accepted, and 5 are still under examination.

(b) On 31st October, 1962 the total number of Assistant Engineers (Civil, Electrical and Horticultural) was 679. On 31st October, 1965 the corresponding number was 812. The total number of officers declared permanent, so far, is 222.

(c) The matter is being pursued.